पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

डा0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय का दीक्षान्त सम्पन्न
राज्यपाल ने डा0 वी0के0 सारस्वत को मानद् उपाधि प्रदान की

लखनऊः 23 जनवरी, 2017

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज डा0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय लखनऊ के 14वें दीक्षान्त समारोह के अवसर पर पद्मभूषण डा0 वी0के0 सारस्वत, सदस्य नीति आयोग को मानद् उपाधि, 47 शोधार्थियों को पी.एचडी उपाधि, सभी पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्रा आयुषी अग्रवाल को कुलाधिपति पदक तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विभिन्न संकायों के छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक, रजत पदक और कांस्य पदक देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डा0 वी0के0 सारस्वत, सदस्य नीति आयोग, कुलपति प्रो0 विनय पाठक, अन्य विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण, महाविद्यालय के प्रधानाचार्य व शिक्षक, बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थें।

राज्यपाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रसन्नता की बात है कि आज दीक्षान्त समारोह में 63412 लोगों को उपाधि प्रदान की गई। पदक प्राप्त करने वालों का विशेष अभिनन्दन करते हुए उन्होंने कहा कि आज 64 पदक वितरित किये गये है जिसमें छात्राओं की संख्या 38 और छात्रों की संख्या 26 है हिसाब करें तो 60 प्रतिशत पदक लड़कियों को मिले है और केवल 40 प्रतिशत पदक लड़कों को प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि छात्र होशियार हो जायें क्योंकि पदक प्राप्त करने में लड़कियों की संख्या दिनांेदिन बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि यह आंकड़े भारत में महिला सशक्तिकरण के परिचायक हैं।

श्री नाईक ने कहा कि उपाधि प्राप्त छात्र अपने जीवन के पहले महत्वपूर्ण पड़ाव पर आये हैं। प्रतिस्पर्धा के खुले जगत में जाना है जहां अपनी प्रतिज्ञा को व्यवहार में लाते हुए जिम्मेदारी के साथ नई उड़ान के लिये निकलना है। आत्मविश्वास से कदम बढ़ाये तो जिस क्षेत्र में जायेंगे सफलता मिलेगी। असफलता से हारे नहीं बल्कि डटकर मुकाबला करें क्योंकि असफलता भी सफलता का पहला कदम होता है। असफलता के कारण पर विचार करें और दोबारा आगे बढ़ने का प्रयास करें। चलते रहने से जीवन का रास्ता प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा कि जो दृढ़ विश्वास के साथ आगे बढ़ता है वही नेताजी सुभाष चन्द बोस और डा0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम जैसा बनता है। उन्होंने छात्रों को व्यक्तित्व विकास के चार मंत्र भी बताये।

पद्मभूषण डा0 वी0के सारस्वत, सदस्य नीति आयोग ने कहा कि बेहतर व्यवस्था के लिये सृजनात्मकता एवं नवाचार की आवश्यकता होती है। छात्रों को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि स्वयं में जवाबदेही व जिम्मेदारी के भाव का निर्माण करें। आगे बढ़ने के लिये विश्व स्तरीय ज्ञान की आवश्यकता है। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डा0 कलाम को उद्धृत करते हुए कहा कि वे अक्सर कहा करते थे कि 'अगर तुम चाहते हो कि लोग तुम्हें याद रखें इसके लिये किसी भी क्षेत्र में अपना अध्याय तैयार करो'। उन्होंने कहा कि युवा नई चुनौतियों को स्वीकार करें।

दीक्षान्त समारोह में कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक द्वारा विश्वविद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन भी प्रस्तुत किया गया।

अंजुम/ललित/राजभवन (27/27)

Dr. A.P.J. Abdul Kalam
Technical University, Uttar Pradesh, Lucknow
डा0 ए.पी.जे. अब्दुल कलाम
प्राविधिक विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश, लखन
चतुर्दश
THE 14TH